नवभारत
इंदौर, सोमवार, 20 जुलाई 2026

जगन्नाथ यात्रा में आस्था का महासागर बनी राजा जन्मेजय की नगरी

नागदा। अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावना अमृत संघ इस्कॉन नागदा और उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान तथा समस्त नगरवासियों के सहयोग से आयोजित तृतीय वर्ष की भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा रविवार को ऐतिहासिक, भव्य एवं अभूतपूर्व जनसहभागिता के साथ संपन्न हुई।

अनुमानित 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रत्यक्ष रूप से रथ यात्रा में सहभागिता कर भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई श्री बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के दिव्य दर्शन कर स्वयं को धन्य किया। वहीं लाखों श्रद्धालुओं ने मार्ग में, अपने घरों से, सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रातः शर्मा गली स्थित डॉ. एस.एन. शर्मा निवास पर पांडु विजय उत्सव एवं भगवान की विशेष पूजा-अर्चना के बाद उज्जैन इस्कॉन के कोऑर्डिनेटर धीर गौर प्रभुजी के सान्निध्य में भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा को दिव्य रथ पर विराजित किया गया। कपूर आरती एवं पुष्प अर्पण के पश्चात भव्य वाहन रैली कृषि उपज मंडी पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंखध्वनि के साथ रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने बताया यात्रा में स्वर्ण रथ पर सजीव राधा-कृष्ण झांकी, भगवान श्री जगन्नाथ का दिव्य रथ, भोलेनाथ,

खाचरोद के सतीश शर्मा, बंगाली समाज की संकीर्तन मंडली, इस्कॉन के हरे कृष्ण महामंत्र कीर्तन, नासिक ढोल, ढोल-ताशे, बैंड, डीजे, ई-रिक्शा साउंड वाहन एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों ने पूरे नगर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। बैलगाड़ी भी यात्रा का विशेष आकर्षण रही।

नगर के प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं ने भगवान के स्वागत में पलक-पांवड़े बिछा दिए। सैकड़ों स्वागत मंचों से पुष्पवर्षा, इत्र वर्षा, आरती एवं भोग-प्रसाद अर्पित किया गया। पूरा मार्ग पुष्पों से आच्छादित दिखाई दिया और पतित पावन जय जगन्नाथ तथा हरे कृष्ण-हरे राम के जयघोष से संपूर्ण नागदा गुंजायमान हो उठा। रथ यात्रा में किसी ने भगवान के रथ की रस्सी खींचकर सेवा की, किसी ने नृत्य किया, किसी ने हरिनाम संकीर्तन किया, किसी ने प्रसादी वितरण की सेवा निभाई, तो किसी ने स्वागत मंचों पर पुष्पवर्षा कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। हजारों श्रद्धालुओं ने अपने घरों की छतों एवं बालकनियों से भगवान के दर्शन किए। अनेक श्रद्धालुओं ने सोशल मीडिया, समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी रथ यात्रा का सीधा आनंद लिया।

रथ यात्रा के दौरान स्वच्छता भी सेवा है का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया। कचरा संग्रहण वाहन निरंतर यात्रा के साथ चलता रहा तथा मार्ग की स्वच्छता बनाए रखी गई। महाप्रसाद का वितरण पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए डिस्पोजेबल पेपर प्लेटों में किया गया।

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस प्रशासन, चिकित्सा विभाग, नगर पालिका परिषद, विद्युत विभाग, जल विभाग, स्वच्छता विभाग तथा अन्य प्रशासनिक अमला पूरे समय मुस्तैद रहा। चार घंटे तक नगर के प्रमुख मार्ग श्रद्धालुओं से भरा रहा।

अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि की कामना से नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप

उज्जैन। अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि और जन कल्याण की मंगल कामना को लेकर अरिहंत सोशल ग्रुप द्वारा नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया गया। सदस्यों ने प्रकृति के संतुलन, समय पर बारिश, किसानों की समृद्धि और समाज में शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप सदस्यों ने सहभागिता करते हुए नवकार महामंत्र का सामूहिक उच्चारण किया। इस अवसर पर ग्रुप के अध्यक्ष गुणवंत शाह ने कहा कि नवकार महामंत्र जैन धर्म का सर्वश्रेष्ठ और सार्वभौमिक मंत्र है। इसके जाप से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा प्राणियों के कल्याण की भावना जागृत होती है। ऐसी धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों से समाज में एकता, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है।

एक नजर में

कोटवार संघ ने तहसील परिसर किया पौधरोपण

घट्टिया। जिला कलेक्टर के आदेशानुसार एसडीएम राजाराम करजरे के निर्देशन में तहसीलदार आदर्श शर्मा की अध्यक्षता में कोटवार संघ तहसील घट्टिया एवं कार्यालय स्टाफ ने तहसील प्रांगण में 100 पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के साथ कोटवार संगठन द्वारा तहसील परिसर व आस पास सफाई अभियान भी चलाया गया। तहसीलदार आदर्श शर्मा ने कहा कि केवल पौधारोपण करके ही हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती, इन पौधों की भी ऐसी सेवा करनी है जैसी परिवार में बुजुर्गों की करते हो ताकि यह पौधे आने वाले समय में छायादार वृक्ष बनकर परिसर को हरा भरा करेंगे। साथ ही आव्हान किया कि सभी कोटवार अपने-अपने क्षेत्र मे पांच पांच पौधे लगाए और जिम्मेदारी से उनके पालक बनकर देखरेख करें।

एसडीएम ने दस्तक में चिह्नित कुपोषित बच्चे को लिया गोद

खाचरौद। कुपोषण जैसी सामाजिक चुनौती से लड़ने के लिए खाचरोद प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। दस्तक अभियान के दौरान अतिकुपोषित बच्चे को एसडीएम नेहा साहू ने गोद लेकर उसकी पूरी देखरेख की जिम्मेदारी ली है। एसडीएम साहू ने कहा कि कुपोषण केवल एक शारीरिक बीमारी नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती भी है। मेरा प्रयास इस बच्चे को केवल चिकित्सकीय रूप से ठीक करना नहीं, बल्कि इसके परिवार को यह भरोसा दिलाना है कि वे इस लड़ाई में अकेले नहीं हैं। उन्होंने क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और सक्षम अधिकारियों से भी अपील की कि वे आगे आएं और कम से कम एक कुपोषित बच्चे के सारथी बनें। स्वास्थ्य विभाग के दस्तक अभियान में चिन्हित बच्चों को समय पर पोषण और उपचार मिले, इसके लिए प्रशासन लगातार काम कर रहा है। एसडीएम की इस पहल से न केवल बच्चे को मदद मिलेगी, बल्कि समाज में कुपोषण के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ेगी। एसडीएम की इस संवेदनशील पहल की क्षेत्र में हर तरफ सराहना हो रही है।

105 वर्षीय भेरूलाल ने किया पौधारोपण

उज्जैन। जिले के ग्राम बाड़कुम्मेद स्थित खाटू श्याम मंदिर दूरदर्शी में रविवार को मीणा समाज द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 105 वर्षीय भेरूलाल जमादार ने पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का अमूल्य संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक जनों ने %एक पौधा एक जीवन और हरियाली ही हमारी सच्ची विरासत के विचार के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। आयोजन में मुख्य अतिथि भेरूलाल जमादार के साथ समाज के अध्यक्ष संतोष मीणा, कमल पटेल, मानसिंह मीणा, हेमराज मीणा, मोहनलाल मीणा और जगदीश मीणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम में उज्जैन जिला मीणा समाज की टीम से जिलाध्यक्ष योगेश मीणा, युवा अध्यक्ष आशुतोष मीणा, राजेश मीणा, बालमुकुंद मीणा, सतीश चांदा, सतीश खोड़ा, संजय मीणा चक, पंकज चांदा और महेश मीणा शामिल हुए। इसके साथ ही ग्राम बाड़कुम्मेद के युवा मीणा समाज से आत्माराम मीणा, पिंटू मीणा, कैलाश मीणा, शक्ति मीणा, धर्मेंद्र मीणा, आकाश मीणा, अमन मीणा, अनिल मीणा, राज मीणा, पीयूष मीणा, सुजल मीना, सचिन मीणा सहित कमल पटेल, हाकम पटेल, सतनारायण पाटीदार और गब्बर पटेल ने भी उत्साहपूर्वक पौधे रोपकर अपनी भागीदारी निभाई।

पांच दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर आज से

उज्जैन। शहर के क्षीरसागर स्थित प्रकाश टॉकीज की गली में जायसवाल धर्मशाला में 20 से 24 जुलाई तक पांच दिवसीय नि:शुल्क नाड़ी परीक्षण एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर के आयुर्वेद विशेषज्ञ और मां दुर्गा वन औषधि संजीवनी अनुसंधान के डायरेक्टर संतोष आनंद जायसवाल मरीजों की नि:शुल्क जांच कर आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करेंगे। पिछले 25 वर्षों से आयुर्वेद के क्षेत्र में सेवाएं दे रहे संतोष आनंद जायसवाल मुख्य रूप से उन मरीजों का इलाज कर रहे हैं जो पुराने और असाध्य रोगों से लंबे समय से परेशान हैं और जिन्हें कहीं और लाभ नहीं मिल पाया है। शिविर की सबसे बड़ी विशेषता बिना किसी सर्जरी के मात्र पांच मिनट में मस्सा निकालने की सुविधा है। इसके साथ ही लीवर, किडनी, पथरी, बवासीर, भगंदर, दमा, थायराइड, मिर्गी, माइग्रेन, साइटिका, लकवा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गठिया वात, कैंसर, चर्म रोग और नि:संतानता जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज भी किया जाएगा। महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं व बच्चों की स्मरण शक्ति और आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए विशेष दवाएं भी दी जाएंगी। आयुर्वेदिक उपचार से कई गंभीर रोगों के मरीजों को तेजी से स्वास्थ्य लाभ मिला है। आयोजकों के अनुसार यह शिविर उज्जैन में हर महीने की 20 से 24 तारीख तक नियमित रूप से लगाया जाता है। मरीज अपनी जांच और परामर्श के लिए सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंच सकते हैं। दूर-दराज के मरीजों के लिए पार्सल द्वारा दवा मंगाने की विशेष सुविधा भी उपलब्ध है। आयोजकों ने बाबा महाकाल की नगरी में आने वाले सभी दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं से भी इस चिकित्सा शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी और रजिस्ट्रेशन के लिए हेल्पलाइन नंबर 9755703571, 9422869113 और 9300644113 पर संपर्क किया जा सकता है।

विदेशी नस्ल के पौधे लगाने से बचें लोग : नागर

उज्जैन। पौधरोपण के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखें की अपने देसी पौधों जैसे आम, जाम, जामुन, नीम, बड, पीपल, बैल आदि पौधों का रोपण अधिकता से हो ताकि यह पर्यावरण के साथ-साथ मानव जीवन के लिए भी उपयोगी साबित हो।

उक्त विचार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त पद्मश्री से सम्मानित मोहन नागर ने विकासखंड बड़नगर के ग्राम बीसाहेड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का बाद संवाद संगोष्ठी को संबोधित हुवे कहां की विदेशी नस्ल के पौधे ना जमीन के लिए उपयोगी है ना ही पर्यावरण संरक्षण में उनका कोई विशेष योगदान होता है। कार्यक्रम में संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय, बिसाहेड़ा सरपंच प्रतिनिधि भोलाराम चौहान, सांसद प्रतिनिधि रवि रावल, बमनापाती सरपंच संतोष राठौड़, उंटवास के उप सरपंच मंचासीन रहे है। संगोष्ठी कार्यक्रम के पूर्व सभी अतिथियों ने बिसाहेड़ा प्रस्फुटन समिति एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से निर्मित प्रस्फुटन वाटिका का अवलोकन किया एवं त्रिवेणी निम, बड़, पीपल का रोपण कर जामफल एवं सीताफल के 21 पौधों का रोपण जन समूह के साथ किया।

कार्यक्रम के दौरान विकासखंड बड़नगर में जल, पर्यावरण सहित अन्य विषयों पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान उपाध्यक्ष नागर व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। विकासखंड समन्वयक रेणुका श्रोत्रिय ने इन कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्य से अवगत करवाया। ग्राम पंचायत परिसर में पंचायत एवं प्रस्फुटन समिति के संयुक्त प्रयास से स्थापित स्वामी विवेकानंद वाचनालय का शुभारंभ उपाध्यक्ष नागर ने रिबिन काटकर किया। पद्मश्री सम्मान से सम्मानित होने के बाद प्रथम बार आगमन पर उपाध्यक्ष नागर का सम्मान साफा बांधकर सरपंच प्रतिनिधि भोलाराम चौहान, घनश्याम पंड्या ने किया।

धारा 49 समाप्त करने का स्वागत

नवभारत न्यूज

खाचरौद। मध्य पदेश के पांच लाख पेंशनरों को मंहगाई भता देने मे अब सरकार को छत्तीसगढ़ सरकार की सहमती का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दोनों राज्यों के वित्त सचिवों के संयुक्त हस्ताक्षर का पत्र गत बुधवार को जारी हो गया है।

मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष स्वरुपनारायण चतुर्वेदी ने सरकार को धन्यवाद देते हुए मांग की है कि जनवरी 26 से बकाया डीए मय एरियर के तत्काल देने के आदेश दे। इसी प्रकार पेंशनर संघ खाचरौद ने भी इस निर्णय से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होने पर पेंशनर समाज संगठन ने प्रसन्नता व्यक्त की है। पेंशनर समाज नेताओं ने बताया कि इस मांग को लेकर तहसील स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक अनेक ज्ञापन दिए गए, धरना प्रदर्शन के माध्यम से लगातार आंदोलन किए गए वर्षों के संघर्ष के बाद यह निर्णय पेंशनरों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है।

धारा 49 हटाने पर पेंशनर समाज ने मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है इस अवसर पर अध्यक्ष जगदीश शर्मा, शोभाराम परासिया, मदनलाल पाटीदार, सुरेश शर्मा, दिलीप खाबिया, राजेंद्र रावल, मदन लाल मकवाना, अशोक जैन सहित सभी पेंशनर पदाधिकारियों सहित अन्य ने राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

स्कूली खिलाड़ियों ने जीते चार स्वर्ण पदक

उज्जैन। सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा द्वारा आयोजित विभाग एवं प्रांतीय स्तरीय खेल महोत्सव का रविवार 19 जुलाई को समापन हुआ। 17 से 19 जुलाई तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में सात विभागों के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में हिस्सा लिया। स्पर्धा में ऋषि नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय संस्कृति भवन के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता है।

प्रतियोगिता में विद्यालय के अरविंद शेखावत, हिमांशु बंदरेले, अक्षत और प्रदीप की टीम ने तरुण वर्ग की 4म400 तथा 4म100 मीटर रिले दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग की लंबी कूद और 110 मीटर बाधा दौड़ में चैतन्य पालीवाल ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा किशोर वर्ग की 100 मीटर दौड़ में चैतन्य पालीवाल ने द्वितीय, तरुण वर्ग की लंबी कूद में अरविंद शेखावत ने तृतीय तथा 800 मीटर दौड़ में हिमांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

खेल महोत्सव के दौरान 100, 110, 200, 400, 800 और 1500 मीटर दौड़ के साथ ही रिले दौड़, त्रिकूद, बाधा दौड़, भाला फेंक, चक्का फेंक, गोला फेंक, ऊंची कूद, क्रॉस कंट्री और जिम्नास्टिक की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। समापन अवसर पर प्रांतीय संयोजक सत्यनारायण लववंशी, विभाग समन्वयक विष्णु श्रोत्रिय, समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रकाश गुप्त, समिति कोषाध्यक्ष भूषण नाईक, विद्यालय प्राचार्य भगवान सिंह ठाकुर और मारुति गंज प्राचार्या प्रतिभा पलसावदिया ने विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक तथा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

होमगार्ड-एसडीआरएफ जवानों की तत्परता से श्रद्धालुओं की बची जान

उज्जैन। रविवार को प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) निवासी शिवा केसरी (19 वर्ष) एवं विकास केसरी (17 वर्ष) महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के उपरांत शिप्रा नदी के रामघाट स्थित आरती स्थल पर स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान दोनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

घाट पर तैनात सैनिक राजेंद्र रॉगोटा एवं होमगार्ड सैनिक विजय दायम ने तत्परता, सतर्कता एवं साहस का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए तत्काल नदी में छलांग लगाकर तथा दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय पर किए गए इस त्वरित बचाव कार्य से दोनों युवकों की जान बच गई। उल्लेखनीय है कि धार्मिक नगरी उज्जैन में आयोजित होने वाले विभिन्न पर्वों, त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर होमगार्ड एवं

एसडीआरएफ के जवान लगातार मुस्तैदी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से अब तक अनेक श्रद्धालुओं एवं नागरिकों का जीवन सुरक्षित बचाया जा चुका है। रामघाट पर एसडीआरएफ की नियमित तैनाती एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण डूबने की घटनाओं तथा उनसे होने वाली जनहानि में उल्लेखनीय कमी आई है। होमगार्ड एवं एसडीआरएफ जिला कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षित जवानों की तैनाती के साथ आधुनिक आपदा बचाव उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जाता है। शिप्रा नदी में फ्लोटिंग बॉल एवं लाइफ बॉय के माध्यम से सुरक्षा बैरिकेडिंग की गई है, जो श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है। पूर्व में कई ऐसे अवसर आए हैं जब स्नान के दौरान श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए, लेकिन उन्होंने बैरिकेडिंग में लगाए गए फ्लोटिंग बॉल एवं लाइफ बॉय का सहारा लेकर स्वयं को सुरक्षित रखा, जिसके बाद जवानों ने उनका सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। विभाग द्वारा उत्कृष्ट ड्यूटी एवं सफल रेस्क्यू कार्य करने वाले जवानों को प्रोत्साहित भी किया जाता है।

आर्यरक्षित तीर्थ धाम में पांच आचार्यों का भव्य चातुर्मासिक प्रवेश

उज्जैन सहित देशभर से पहुंचे 8 हजार गुरुभक्त, रखा आर्य जागरण चातुर्मास नाम

उज्जैन। मालवा की ऐतिहासिक भूमि मंदसौर के आर्यरक्षित सूरि जैन तीर्थधाम में रविवार को जैनाचार्य अशोक सागर सूरीश्वर सहित पांच आचार्यों का चातुर्मास के लिए भव्य प्रवेश हुआ।

समारोह में उज्जैन-भैरवगढ़ सहित देशभर से लगभग आठ हजार गुरुभक्त शामिल हुए। इस वर्ष चातुर्मास को आर्य जागरण चातुर्मास% नाम दिया गया है। मणिभद्र यक्षराज तीर्थ धाम भेरूगढ़ उज्जैन ट्रस्ट के मीडिया प्रमुख प्रदीप दख एवं विकास कोठारी ने बताया कि तीर्थप्रेरक जैनाचार्य अशोक सागर सूरीश्वर, प्रवचनकार सागरचंद्रसागरसूरि, सौम्यचंद्रसागरसूरि, विवेकचंद्रसागरसूरि, तीर्थचंद्रसागरसूरि, प्रवर्तक गणिधर सहित 11 संत एवं साध्वी शीलरेखा आदि 7 साध्वियों ने मंगल प्रवेश किया। प्रवेश यात्रा के पूर्व माहेश्वरी धर्मशाला में सुमन खमेसरा, धर्मेन्द्र और चेतन परिवार द्वारा नवकारशी रखी गई। प्रवेशोत्सव में शामिल होने उज्जैन-भैरवगढ़ से बस द्वारा श्रद्धालुओं का जत्था पहुंचा। रतलाम, इंदौर, भोपाल, धार, नागेश्वर, महिदपुर, देवास, बेटमा, बांसवाड़ा, उन्हेल, नीमच, आलोट, चौमहला, शाजापुर, बदनावर, सुवासरा, जावरा, अफजलपुर से भी लोग आ रहे हैं।

देश-प्रदेश के मठ-मंदिरों को करवाएंगे अतिक्रमण से मुक्त : महामंडलेश्वर आनंद गिरि

उज्जैन। दशनामी दत्त सेना संगठन का पप्रदेश स्तरीय मंडल बैठक इंगोरिया स्थित शुभ रत्न गार्डन मैं संगठन के संरक्षक परम पूज्य श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर आनंद गिरि जी महाराज के मुख्य अतिथि में संपन्न हुई। कार्यक्रम में संगठन के लोगों का विमोचन किया गया। मंचासिन अतिथियों ने महंतों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

संबोधित करते हुए संगठन के संरक्षक महामंडलेश्वर आनंद गिरि महाराज ने कहा कि देश में मठ मंदिर की भूमि समाधि स्थल की भूमि पर अतिक्रमण की जाने की घटनाएं देखने को मिल रही है इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस संगठन को बनाया गया है और सनातन धर्म से जुड़े सनातनी भाइयों को जोड़ा जाएगा।

इसके पूर्व अपने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा संस्था के लोगों का विमोचन भी किया। संस्थापक संगठन प्रमुख गोस्वामी ईश्वर गिरी नागावाड़ी ने संबोधित करते हुए कहा के प्रदेश से 1 लाख दत्त सैनिक को सक्रिय रूप सदस्या दी जाएगी, भू समाधि के लिए जगह हेतु शासकीय भूमि प्रशासन के माध्यम से दशनाम संप्रदाय को दिलाई जायेगी, मठ मंदिर भूमि ओर समाधि भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा, उपस्थित मंडल के पदाधिकारी को संगठन के उद्देश्य और कार्य क्षेत्र की जानकारी दी। कार्यक्रम को महंत मंगल भारती कोटेश्वर महंत विजय गोस्वामी उज्जैन महंत नरेंद्र गिरी जी उज्जैन महंत दिनेश गिरी सीतामऊ, अन्य वक्ताओं ने संबोधित कर संगठन के विस्तार का लक्ष्य तय किया। बड़नगर मंडल महंत जितेंद्र भारती, महंत आशुतोष भारती, सीतामऊ मंडल, महंत कार्यवाह महंत मुकेश गिरी, महंत दिनेश गिरी, जावरा मंडल, महंत प्रदीप गिरी नयानगर, नागदा खाचरोद मंडल, महंत शिवभारती, बेडवान मंडल, महंत तोलागिरी, धुलेट मंडल, महंत कैलाश भारती, गुलावट मंडल, महंत कार्यवाह महंत सुनील गिरी, धार लसुडिया मंडल, महंत कालू वन, महंत कमल वन, आलोट मंडल, महंत राहुल पूरी, बोरखेड़ी सुवासरा, महंत संजयपुरी जौठावली, चायडा मंडल, महंत महादेव गिरी गंगधार, रुई मंडल, महंत रतन पूरी, महंत दिनेश पूरी, देवास मंडल, महंत अजय गिरी कार्यवाह महंत राजेंद्र गिरी, देपालपुर मंडल, महंत जीवन गिरी, दिग्ठान मंडल, महंत रमेश गिरी, पिपलौदा सुखेड़ा मंडल, महंत संजय पूरी, बदनावर मंडल, महंत मनोहर पूरी और अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

कबीर आश्रम निर्माण और शिक्षा पर दिया जोर

बालई महासभा की राष्ट्रीय बैठक में समाज उत्थान पर मंथन

उज्जैन। विक्रम यूनिवर्सिटी स्थित अतिथि निवास में अखिल भारतीय बालई महासभा के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य समाज को संगठित करना, शिक्षा को बढ़ावा देना, युवाओं को समाज से जोड़ना तथा संत कबीर के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर में आश्रम निर्माण की योजना पर चर्चा करना था।

बैठक का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद देशभर से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने समाज के

विकास, संगठन की मजबूती, युवाओं की भागीदारी और शिक्षा के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सुझाव रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय बालई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जयपुर के पूर्व विधायक बाबूलाल बछेर थे। अध्यक्षता मदनलाल राठौर ने की। प्रदेश कार्यालय सचिव धर्मेंद्र सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि देवास के समीप लगभग 50 बीघा भूमि पर संत कबीर साहब का भव्य आश्रम स्थापित करने के लिए शासन से भूमि उपलब्ध कराने की मांग की जाएगी। साथ ही देश के प्रत्येक जिले में भी समाज की ओर से कबीर आश्रम स्थापित करने की तैयारी शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल बछेर ने कहा कि समाज को एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार तक मजबूती से पहुंचाना होगा। उन्होंने विशेष रूप से समाज की बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सरकार ऐसी योजनाएं बनाए जिससे बालिकाओं को बेहतर शिक्षा मिले और वे समाज व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने युवाओं से भी समाज की गतिविधियों से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने का आव्हान किया।

जीवन में लक्ष्य शुद्ध रखकर प्रयास करें तो सफलता अवश्य मिलेगी : पं. पारसमुनि

उज्जैन। परम पूज्य आचार्य विजयराजजी के आज्ञानुवर्ती पं. पारस मुनि, तरूण तपस्वी, अभिनंदन मुनि, आदर्श सेवा रत्न, विनोद मुनि, धैर्य मुनि, विश्वास मुनि, विदित मुनि, जयसुमित्रप्रभ ठाणा - 7 एवं एकांतर तपस्विनी, पदम श्रीजी तपस्विनी, विदुषी महासती ख्यातिश्री, तरूण तपस्विनी, विद्यावाग्मी महासती गुप्ति ठाणा-3 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश रविवार की सुबह क्षीरसागर स्थित रामचंद्र श्रीमाल के निवास से श्री महावीर भवन नमक मंडी पर हुआ।

इस वर्ष के वर्षावास का नाम 'एक युद्ध-पाप के विरुद्ध' दिया गया है। प्रवचन में पंडित रत्न, साधु श्रेष्ठ पारस मुनि ने कहा कि जीवन में लक्ष्य शुद्ध हो और उसके अनुरूप प्रयास करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। शुद्ध परमात्मा अनंत गुणों के धारक हैं और हमें भी उन अनंत गुणों को अपने भीतर जगाना है। उज्जैन में श्रावक-श्राविकाओं को चातुर्मास का लाभ मिला है और इस समय संत सतियों का सान्निध्य पाकर जीवन में साधना को बढ़ाना है। हमें तन में रहने वाली आत्मा को सिद्ध बनाना है, क्योंकि आत्मा कभी वृद्ध नहीं होती। तप की आराधना उत्साहपूर्वक ग्रहण करें और इससे आप जीवन में स्वयं सुखद बदलाव महसूस करेंगे। अभिनंदनमुनि ने कहा कि जो व्यक्ति समय का सदुपयोग करता है, वही सफल होता है। हमें ज्ञान की आराधना करनी है और पाप कर्म का क्षय करना है। पूज्यश्री विनोदमुनि ने भी संबोधित किया।